हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

अस्थाई शैक्षणिक खंड ,शाहपुर
पृथ्वी एवं पर्यावरण स्कूल,
पर्यावरण विभाग

पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विशविद्यालय द्वारा दिनांक **04-05-2016** को हरित दिवस मनाया गया । इस दिवस के उपलक्ष्य पर पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग की ओर से विभिन पर्यावरण जागरूकता संबंधित क्रियाकलापों का आयोजन किया गया । पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के डीन डॉ. दीपक पंत के प्रयासों द्वारा धर्मशाला में एक जागरूकता अभियान भी चलाया गया । इस अभियान की शुरुआत प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री, कुलपति, श्री जगदीश चंद रांगड़ा, रजिस्ट्रार, श्री बी. आर. धीमान, वित्त अधिकारी, डॉ. शुभांकर चटर्जी, डॉ अनुराग लिंडा, डॉ अंकित टंडन ने हरी झंडी दिखा कर की । इस दौरान पर्यावरण विभाग के विद्यार्थीओं एवं शोधार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के जरिये लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया । इस अवसर पर विभिन्न पेशे के लोगों से बातचीत की गई और उनसे पर्यावरण जागरूकता, पर्यावरण की विभिन्न समस्याएं, घर के कचरे का निदान, सरकार के स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे अभियान, उजाला अभियान, कचरे का निस्तारण, पुनर्चक्रण इत्यादि से जुड़े हुए प्रश्न पूछे गए । कुछ लोगों में जागरूकता की कमी पायी गई और कुछ लोगों ने बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया दी । डॉ. दीपक पंत और विभाग के छात्रों द्वारा की गई इस पहल की लोगों ने बहुत सराहना की । हरित अभियान रैली की शुरुआत विश्वविद्यालय के कैंप ऑफिस से शुरू होकर कॉलेज रोड से होती हुई गांधी पार्क तक गई । इस उपलक्ष्य पर विभाग के सदस्य डॉ. शुभांकर चटर्जी, डॉ. अनुराग लिंडा, डॉ. अंकित टंडन इत्यादि भी उपस्थित थे । स्कूल के डीन ने शोध-छात्रों वरुण धीमान, अन्विता शील, आनंद गिरी, तेंजिन, श्रुतिका एवं अन्य छात्रों की इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशंसा की । साथ ही उन्होंने भविष्य में भी विभाग द्वारा समय समय पर इस तरह के आयोजन करते रहने की बात कही ।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दीपक पंत के अनुसार कार्बन मैनेजमेंट को 21वीं शताब्दी में उतरोत्तर समस्या के तौर पर अंगीकार किया गया है । पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है और अगर यही क्रम जारी रहा तो 21वीं शताब्दी में मानव के आजीविका की समस्या पैदा हो जाएगी । जहाँ एक तरफ जनवरी 2014में ऑस्ट्रेलिय के कुछ भागों का तापमान 54 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया उसी समय कनाडा के कुछ क्षेत्रों का तापमान माइनस(-) डिग्री सेल्सियस था। यह पर्यावरण बदलाव के सन्दर्भ में भयंकर चेतावनी है । और यह क्रम मानव जाति के लिए विभिन्न प्रकार की समस्याएं उत्पन्न कर रहा है । कार्बन प्रबंधन के अंतर्गत कार्बन डाई ऑकसाईड अवशोषण एवं उपयोग अपशिष्ट प्रबंधन मुख्य हैं । इसके अंतर्गत मुख्य विषय उत्सर्जन कम करना तथा R3 नीति महत्त्वपूर्ण है ।

चित्र 1 : हरित अभियान को झंडी दिखाकर रवाना करते विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.(डॉ.) कुलदीप चंद अग्निहोत्री

School of Earth and Environment Sciences, Central University of Himachal Pradesh celebrated "Greener Day" today on 05th May 2016 in its campus. On this occasion, Dr. Deepak Pant, Dean of School of Earth and Environmental Sciences, organized various environmental awareness activities like street plays and awareness rally in Dharamshala. Prof. (Dr.) Kuldip Chand Agnihotri, Hon,ble VC started the programme by showing green flag. Shri Jagdish Chand Rangra, Registrar, Shri B. R. Dhiman Finance Officer, Dr. Subhankar Chatterjee, Dr. Anurag Linda, Dr. Ankit Tandon were also present on this occasion.

चित्र 2: अभियान रैली से पूर्व प्रतिभागी विद्यार्थी

Objective of the activities was to increase environmental knowledge among people. Local people were also conversed with and asked their ideas and suggestions through questionnaire. People responded very well to the whole project and expressed positive reviews for the campaign. Green campaign rally was started from camp office and went up to Gandhi Park via kechari.

On this event, other faculty members of the department were also present. Dr. Pant appreciated the efforts of students for making the drive a success. He also added that the department will continue to organize such kind of programs in the future also.

चित्र 3: हरित अभियान रैली के दौरान अधिष्ठाता, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल डॉ. दीपक पंत प्रतिभागी विद्यार्थियों की अगुवाई करते हुए

******